रविवार **31** मई, **2026**

विषय — **प्राचीन और आधुनिक काला जादू, उपनाम कृत्रिम निद्रावस्था और हाइपोहान**

स्वर्ण पाठ: भजन संहिता **119: 30**

"मैं ने सच्चाई का मार्ग चुन लिया है, तेरे नियमों की ओर मैं चित्त लगाए रहता हूं।"

उत्तरदायी अध्ययन: तीतुस **2: 1**

तीतुस **1: 10**

तीतुस **2: 11-14**

1 पर तू ऐसी बातें कहा कर, जो खरे उपदेश के योग्य हैं।
10 क्योंकि बहुत से लोग निरंकुश बकवादी और धोखा देने वाले हैं; विशेष करके खतना वालों में से।
11 क्योंकि परमेश्वर का अनुग्रह प्रगट है, जो सब मनुष्यों के उद्धार का कारण है।
12 और हमें चिताता है, कि हम अभक्ति और सांसारिक अभिलाषाओं से मन फेर कर इस युग में संयम और धर्म और भक्ति से जीवन बिताएं।
13 और उस धन्य आशा की अर्थात अपने महान परमेश्वर और उद्धारकर्ता यीशु मसीह की महिमा के प्रगट होने की बाट जोहते रहें।
14 जिस ने अपने आप को हमारे लिये दे दिया, कि हमें हर प्रकार के अधर्म से छुड़ा ले, और शुद्ध करके अपने लिये एक ऐसी जाति बना ले जो भले भले कामों में सरगर्म हो॥

पाठ उपदेश

बाइबल

1. जकर्याह **8: 3, 16, 17**

3 यहोवा यों कहता है, मैं सिय्योन में लौट आया हूं, और यरूशेलम के बीच में वास किए रहूंगा, और यरूशलेम की सच्चाई का नगर कहलाएगा, और सेनाओं के यहोवा का पर्वत, पवित्र पर्वत कहलाएगा।
16 जो जो काम तुम्हें करना चाहिये, वे ये हैं : एक दूसरे के साथ सत्य बोला करना, अपनी कचहरियों में सच्चाई का और मेल-मिलाप की नीति का न्याय करना,
17 और अपने अपने मन में एक दूसरे की हानि की कल्पना न करना, और झूठी शपथ से प्रीति न रखना, क्योंकि इन सब कामों से मैं घृणा करता हूं, यहोवा की यही वाणी है॥

2. उत्पत्ति **12: 10-16 (से :), 17-20**

इस बाइबल पाठ को प्लेनफील्ड क्रिश्चियन साइंस चर्च, इंडिपेंडेंट द्वारा तैयार किया गया था। यह किंग जेम्स बाइबल से स्क्रिप्चरल कोटेशन से बना है और मैरीक बकरी एड्डी ने क्रिश्चियन साइंस पाठ्यपुस्तक विज्ञान और स्वास्थ्य से कुंजी के साथ शास्त्र के लिए सहसंबद्ध मार्ग लिया है।

10 और उस देश में अकाल पड़ा: और अब्राम मिस्र देश को चला गया कि वहां परदेशी हो कर रहे -- क्योंकि देश में भयंकर अकाल पड़ा था।
11 फिर ऐसा हुआ कि मिस्र के निकट पहुंचकर, उसने अपनी पत्नी सारै से कहा, सुन, मुझे मालूम है, कि तू एक सुन्दर स्त्री है:
12 इस कारण जब मिस्री तुझे देखेंगे, तब कहेंगे, यह उसकी पत्नी है, सो वे मुझ को तो मार डालेंगे, पर तुझ को जीती रख लेंगे।
13 सो यह कहना, कि मैं उसकी बहिन हूं; जिस से तेरे कारण मेरा कल्याण हो और मेरा प्राण तेरे कारण बचे।
14 फिर ऐसा हुआ कि जब अब्राम मिस्र में आया, तब मिस्रियों ने उसकी पत्नी को देखा कि यह अति सुन्दर है
15 और फिरौन के हाकिमों ने उसको देखकर फिरौन के साम्हने उसकी प्रशंसा की: सो वह स्त्री फिरौन के घर में रखी गई।
16 और उसने उसके कारण अब्राम की भलाई की; सो उसको भेड़-बकरी, गाय-बैल, दास-दासियां, गदहे-गदहियां, और ऊंट मिले।
17 तब यहोवा ने फिरौन और उसके घराने पर, अब्राम की पत्नी सारै के कारण बड़ी बड़ी विपत्तियां डालीं।
18 सो फिरौन ने अब्राम को बुलवा कर कहा, तू ने मुझ से क्या किया है? तू ने मुझे क्यों नहीं बताया कि वह तेरी पत्नी है?
19 तू ने क्यों कहा, कि वह तेरी बहिन है? मैं ने उसे अपनी ही पत्नी बनाने के लिये लिया; परन्तु अब अपनी पत्नी को ले कर यहां से चला जा।
20 और फिरौन ने अपने आदमियों को उसके विषय में आज्ञा दी और उन्होंने उसको और उसकी पत्नी को, सब सम्पत्ति समेत जो उसका था, विदा कर दिया॥

3. नीतिवचन 12: 22

22 झूठों से यहोवा को घृणा आती है परन्तु जो विश्वास से काम करते हैं, उन से वह प्रसन्न होता है।

4. उत्पत्ति 15: 1, 6

1 इन बातों के पश्चात यहोवा को यह वचन दर्शन में अब्राम के पास पहुंचा, कि हे अब्राम, मत डर; तेरी ढाल और तेरा अत्यन्त बड़ा फल मैं हूं।
6 उसने यहोवा पर विश्वास किया; और यहोवा ने इस बात को उसके लेखे में धर्म गिना।

5. उत्पत्ति 17: 1, 5 (से ;), 9 (से *2nd* ,)

1 जब अब्राम निन्नानवे वर्ष का हो गया, तब यहोवा ने उसको दर्शन देकर कहा मैं सर्वशक्तिमान ईश्वर हूं; मेरी उपस्थिति में चल और सिद्ध होता जा।
5 सो अब से तेरा नाम अब्राम न रहेगा परन्तु तेरा नाम इब्राहीम होगा क्योंकि मैं ने तुझे जातियों के समूह का मूलपिता ठहरा दिया है।
9 फिर परमेश्वर ने इब्राहीम से कहा, तू भी मेरे साथ बान्धी हुई वाचा का पालन करना; तू और तेरे पश्चात तेरा वंश भी अपनी अपनी पीढ़ी में उसका पालन करे।

6. रोमियो 4: 1, 3, 7 (सौभाग्यपूर्ण), 8

1 सोहम क्या कहें, कि हमारे शारीरिक पिता इब्राहीम को क्या प्राप्त हुआ?
3 पवित्र शास्त्र क्या कहता है यह कि इब्राहीम ने परमेश्वर पर विश्वास किया, और यह उसके लिये धार्मिकता गिना गया।
7 कि धन्य वे हैं, जिन के अधर्म क्षमा हुए, और जिन के पाप ढांपे गए।
8 धन्य है वह मनुष्य जिसे परमेश्वर पापी न ठहराए।

7. रोमियो 12: 1-3

1 इसलिये हे भाइयों, मैं तुम से परमेश्वर की दया स्मरण दिला कर बिनती करता हूं, कि अपने शरीरों को जीवित, और पवित्र, और परमेश्वर को भावता हुआ बलिदान करके चढ़ाओ: यही तुम्हारी आत्मिक सेवा है।
2 और इस संसार के सदृश न बनो; परन्तु तुम्हारी बुद्धि के नये हो जाने से तुम्हारा चाल-चलन भी बदलता जाए, जिस से तुम परमेश्वर की भली, और भावती, और सिद्ध इच्छा अनुभव से मालूम करते रहो॥
3 क्योंकि मैं उस अनुग्रह के कारण जो मुझ को मिला है, तुम में से हर एक से कहता हूं, कि जैसा समझना चाहिए, उस से बढ़कर कोई भी अपने आप को न समझे पर जैसा परमेश्वर ने हर एक को परिमाण के अनुसार बांट दिया है, वैसा ही सुबुद्धि के साथ अपने को समझे।

8. 2 कुरिन्थियों 10: 3-5

3 क्योंकि यद्यपि हम शरीर में चलते फिरते हैं, तौभी शरीर के अनुसार नहीं लड़ते।
4 (क्योंकि हमारी लड़ाई के हथियार शारीरिक नहीं, पर गढ़ों को ढा देने के लिये परमेश्वर के द्वारा सामर्थी हैं।)
5 सो हम कल्पनाओं को, और हर एक ऊंची बात को, जो परमेश्वर की पहिचान के विरोध में उठती है, खण्डन करते हैं; और हर एक भावना को कैद करके मसीह का आज्ञाकारी बना देते हैं।

9. प्रकाशित वाक्य 14: 1, 3 (से *1st* ,), 4 (ये वे हैं जो निम्नलिखित हैं), 5

1 फिर मैं ने दृष्टि की, और देखो, वह मेम्ना सिय्योन पहाड़ पर खड़ा है, और उसके साथ एक लाख चौवालीस हजार जन हैं, जिन के माथे पर उसका और उसके पिता का नाम लिखा हुआ है।
3 और वे सिंहासन के साम्हने और चारों प्राणियों और प्राचीनों के साम्हने मानो, यह नया गीत गा रहे थे, और उन एक लाख चौवालीस हजार जनो को छोड़ जो पृथ्वी पर से मोल लिए गए थे, कोई वह गीत न सीख सकता था।
4 ये वे हैं, जो स्त्रियों के साथ अशुद्ध नहीं हुए, पर कुंवारे हैं: ये वे ही हैं, कि जहां कहीं मेम्ना जाता है, वे उसके पीछे हो लेते हैं: ये तो परमेश्वर के निमित्त पहिले फल होने के लिये मनुष्यों में से मोल लिए गए हैं।
5 और उन के मुंह से कभी झूठ न निकला था, वे निर्दोष हैं॥

10. प्रकाशित वाक्य 15: 2, 3

2 और मैं ने आग से मिले हुए कांच का सा एक समुद्र देखा, और जो उस पशु पर, और उस की मूरत पर, और उसके नाम के अंक पर जयवन्त हुए थे, उन्हें उस कांच के समुद्र के निकट परमेश्वर की वीणाओं को लिए हुए खड़े देखा।

[3] और वे परमेश्वर के दास मूसा का गीत, और मेम्ने का गीत गा गाकर कहते थे, कि हे स्र्वशक्तिमान प्रभु परमेश्वर, तेरे कार्य बड़े, और अद्भुत हैं, हे युग युग के राजा, तेरी चाल ठीक और सच्ची है।

विज्ञान और स्वास्थ्य

1. 453: 16 (ईमानदारी)-20

ईमानदारी रूहानी ताकत है। बेईमानी इंसानी कमज़ोरी है, जो भगवान की मदद को छीन लेती है। आप पाप को चोट पहुँचाने के लिए नहीं, बल्कि इंसान को आशीर्वाद देने के लिए उजागर करते हैं; और सही इरादे का फल मिलता है।

2. 448: 10-30

सत्य से बचने से ईमानदारी कमज़ोर हो जाती है, और आपको शिखर से नीचे गिरा देती है।

क्रिश्चियन साइंस शरीर की इंद्रियों के सबूतों से ऊपर उठता है; लेकिन अगर आप खुद पाप से ऊपर नहीं उठे हैं, तो बुराई के प्रति अपने अंधेपन या उस अच्छाई पर खुद को बधाई न दें जिसे आप जानते हैं और नहीं करते। बेईमानी वाली सोच क्रिश्चियन साइंस से बहुत दूर है। "जो अपने पापों को छिपाता है, वह सफल नहीं होगा: लेकिन जो उन्हें मान लेता है और छोड़ देता है, उस पर दया की जाएगी।" यह अच्छी तरह जानते हुए कि गलती बुराई और नफ़रत के लिए सत्य और प्रेम के शानदार नतीजे पाना नामुमकिन है, हर विद्यार्थी के मन में दिव्य विज्ञान की गहरी छाप, ठीक होने के लिए ज़रूरी नैतिक और आध्यात्मिक योग्यताओं की ऊँची भावना, छोड़ने की प्रयास करें।

यदि विद्यार्थी क्रिश्चियन साइंस की शिक्षाओं का सख्ती से पालन करता है और इसके नियमों को तोड़ने की हिम्मत नहीं करता, तो उसे ठीक होने में सफलता मिलेगी। सही काम करना क्रिश्चियन साइंस है, और सही काम करने के अलावा किसी और चीज़ का इस नाम पर कोई हक नहीं है।

3. 127: 23-29

कोई फिजिकल साइंस नहीं है, क्योंकि सारा सच भगवान के मन से आता है। इसलिए सच इंसानी नहीं है, और यह मैटर का नियम नहीं है, क्योंकि मैटर कोई नियम बनाने वाला नहीं है। साइंस भगवान के मन से निकला है, और सिर्फ़ वही भगवान को सही तरह से समझा सकता है। इसका सोर्स स्पिरिचुअल है, मैटरिकल नहीं। यह एक भगवान की बात है,—वह दिलासा देने वाला जो सारे सच की ओर ले जाता है।

4. 446: 18 (में)–23

माइंड-हीलिंग के साइंस में, ईमानदार होना बहुत ज़रूरी है, क्योंकि जीत पक्की सही चीज़ की तरफ होती है। परमेश्वर को समझने से उम्मीद मज़बूत होती है, सत्य में विश्वास मज़बूत होता है, और यीशु के ये शब्द सच साबित होते हैं: "और देखो, मैं जगत के अन्त तक सदैव तुम्हारे संग हूं॥"

5. 570: 26-7

इस बाइबल पाठ को प्लेनफील्ड क्रिश्चियन साइंस चर्च, इंडिपेंडेंट द्वारा तैयार किया गया था। यह किंग जेम्स बाइबल से स्क्रिप्चरल कोटेशन से बना है और मैरीक बकरी एड्डी ने क्रिश्चियन साइंस पाठ्यपुस्तक विज्ञान और स्वास्थ्य से कुंजी के साथ शास्त्र के लिए सहसंबद्ध मार्ग लिया है।

जब भगवान बीमार या पापी को ठीक करते हैं, तो उन्हें पता होना चाहिए कि मन ने कितना बड़ा फ़ायदा किया है। उन्हें यह भी पता होना चाहिए कि इंसानी मन कितना बड़ा भ्रम है, जब वह उन्हें बीमार या पापी बना देता है। बहुत से लोग लोगों की आँखें भगवान के मन में मौजूद अच्छाई की ताकत के लिए खोलने को तैयार हैं, लेकिन वे इंसानी सोच में बुराई दिखाने और बुराई के गलत काम करने के छिपे हुए दिमागी तरीकों को सामने लाने को तैयार नहीं हैं।

यह पिछड़ापन क्यों, जबकि बुराई से बचने के लिए उसे सामने लाना ज़रूरी है? क्योंकि लोग आपको तब ज़्यादा पसंद करते हैं जब आप उन्हें उनके गुण बताते हैं, न कि तब जब आप उन्हें उनके दोष बताते हैं।

6. 184: 6-18

विश्वास से विश्वास के नतीजे मिलते हैं, और इससे मिलने वाली सज़ा तब तक रहती है जब तक विश्वास और उससे अलग न हो सकें। इसका इलाज है समस्या की तह तक जाकर जांच करना, विश्वास की उस गलती को ढूंढना और उसे नकारकर बाहर निकालना जो जानलेवा गड़बड़ी पैदा करती है, गलत विश्वास को कभी कानून का नाम न देना और न ही उसका पालन करना। सच, ज़िंदगी और प्यार ही इंसान से की जाने वाली एकमात्र जायज़ और हमेशा रहने वाली मांगें हैं, और वे रूहानी कानून बनाने वाले हैं, जो भगवान के नियमों के ज़रिए आज्ञा का पालन करवाते हैं।

भगवान की समझ से कंट्रोल होकर, इंसान तालमेल वाला और हमेशा रहने वाला होता है। जो कुछ भी झूठे विश्वास से चलता है, वह बेमेल और हमेशा रहने वाला होता है।

7. 447: 20-32

बुराई और बीमारी के सभी रूपों के दावों को सामने लाओ और उनकी बुराई करो, लेकिन उनमें कोई सच्चाई न देखो। एक पापी को सिर्फ़ यह यकीन दिलाने से सुधारा नहीं जा सकता कि वह पापी नहीं हो सकता क्योंकि कोई पाप है ही नहीं। पाप के दावे को खत्म करने के लिए, आपको उसे पहचानना होगा, नकाब हटाना होगा, भ्रम को बताना होगा, और इस तरह पाप पर जीत हासिल करनी होगी और इस तरह उसकी झूठी बात को साबित करना होगा। बीमार सिर्फ़ यह कहने से ठीक नहीं होते कि कोई बीमारी नहीं है, बल्कि यह जानने से ठीक होते हैं कि कोई बीमारी नहीं है।

एक पापी पहला पत्थर फेंकने से डरता है। वह बहाने के तौर पर कह सकता है कि बुराई झूठी है, लेकिन यह जानने के लिए, उसे अपनी बात साबित करनी होगी।

8. 449: 11-16 (से ;)

इंसान का नैतिक पारा, चाहे बढ़ता हो या घटता हो, उसकी ठीक करने की काबिलियत और सिखाने की काबिलियत दिखाता है। आपको जो आता है, उसकी अच्छी तरह प्रैक्टिस करनी चाहिए, और फिर आप अपनी ईमानदारी और वफ़ादारी के हिसाब से आगे बढ़ेंगे,—ये वो खूबियां हैं जो इस साइंस में कामयाबी पक्की करती हैं;

9. 8: 3-9

हमें सच्चे दिल से कभी निराश होने की ज़रूरत नहीं है; लेकिन उन लोगों के लिए बहुत कम उम्मीद है जो कभी-कभी अपनी बुराई का सामना करते हैं और फिर उसे छिपाने की कोशिश करते हैं। उनकी प्रार्थनाएँ उनके चरित्र से मेल नहीं खातीं। वे पाप के साथ गुप्त रूप से जुड़े रहते हैं, और ऐसे बाहरी रूपों के बारे में यीशु ने कहा है कि "सफेद की हुई कब्रों के समान ... जो हर तरह की गंदगी से भरी हों।"

10. 15: 14-24

सही तरीके से प्रार्थना करने के लिए, हमें कोठरी में घुसकर दरवाज़ा बंद करना होगा। हमें अपने होंठ बंद करने होंगे और सांसारिक इंद्रियों को शांत करना होगा। सच्ची इच्छाओं की शांत जगह में, हमें पाप को नकारना होगा और भगवान के सब कुछ होने की प्रार्थना करनी होगी। हमें क्रूस उठाने का संकल्प लेना होगा, और सच्चे दिल से काम करने और ज्ञान, सत्य और प्रेम की तलाश करने के लिए आगे बढ़ना होगा। हमें "बिना रुके प्रार्थना करनी चाहिए।" ऐसी प्रार्थना का जवाब तब मिलता है, जब तक हम अपनी इच्छाओं को अमल में लाते हैं। गुरु का आदेश है कि हम चुपके से प्रार्थना करें और अपने जीवन से अपनी ईमानदारी का सबूत दें।

11. 272: 3-8

सच को समझने से पहले सच्चाई की आध्यात्मिक समझ हासिल करनी होगी। यह समझ तभी मिलती है जब हम ईमानदार, निस्वार्थ, प्यार करने वाले और नरम होते हैं। "ईमानदार और अच्छे दिल" की मिट्टी में बीज बोना चाहिए; नहीं तो वह ज़्यादा फल नहीं देता, क्योंकि इंसानी स्वभाव का दुष्ट तत्व उसे जड़ से उखाड़ देता है।

12. 65: 1-2

अनुभव को अच्छाई का स्कूल होना चाहिए, और इंसान की खुशी इंसान के सबसे ऊँचे स्वभाव से आनी चाहिए।

13. 418: 5-11

इस गलती के उलट होने की सच्चाई पर टिके रहें कि जीवन, पदार्थ या बुद्धि पदार्थ में हो सकते हैं। सच्चाई के सच्चे यकीन और दिव्य विज्ञान के कभी न बदलने वाले, बिना गलती वाले और पक्के असर की साफ़ समझ के साथ विनती करें। फिर, अगर आपकी वफ़ादारी आपकी विनती की सच्चाई के आधे भी बराबर है, तो आप बीमारों को ठीक कर देंगे।

दैनिक कर्तव्यों

मैरी बेकर एड्डी द्वारा

दैनिक प्रार्थना

प्रत्येक दिन प्रार्थना करने के लिए इस चर्च के प्रत्येक सदस्य का कर्तव्य होगा: "तुम्हारा राज्य आओ;"

ईश्वरीय सत्य, जीवन और प्रेम के शासन को मुझमें स्थापित करो, और मुझ पर शासन करो; और तेरा वचन सभी मनुष्यों के स्नेह को समृद्ध कर सकता है, और उन पर शासन करो!

चर्च मैनुअल, लेख VIII, अनुभाग 4

उद्देश्यों और कृत्यों के लिए एक नियम

न तो दुश्मनी और न ही व्यक्तिगत लगाव मदर चर्च के सदस्यों के उद्देश्यों या कृत्यों को लागू करना चाहिए। विज्ञान में, दिव्य प्रेम ही मनुष्य को नियंत्रित करता है; और एक क्रिश्चियन साइंटिस्ट प्यार की मीठी सुविधाओं को दर्शाता है, पाप में डांटने पर, सच्चा भाईचारा, परोपकार और क्षमा में। इस चर्च के सदस्यों को प्रतिदिन ध्यान रखना चाहिए और प्रार्थना को सभी बुराईयों से दूर करने, भविष्यद्वाणी, न्याय करने, निंदा करने, परामर्श देने, प्रभावित करने या गलत तरीके से प्रभावित होने से बचाने के लिए प्रार्थना करनी चाहिए।

चर्च मैनुअल, लेख VIII, अनुभाग 1

कर्तव्य के प्रति सतर्कता

इस चर्च के प्रत्येक सदस्य का यह कर्तव्य होगा कि वह प्रतिदिन आक्रामक मानसिक सुझाव से बचाव करे, और भूलकर भी ईश्वर के प्रति अपने कर्तव्य की उपेक्षा नहीं करनी चाहिए, अपने नेता और मानव जाति के लिए। उनके कामों से उन्हें आंका जाएगा, — और वह उचित या निंदनीय होगा।

चर्च मैनुअल, लेख VIII, अनुभाग 6

इस बाइबल पाठ को प्लेनफील्ड क्रिश्चियन साइंस चर्च, इंडिपेंडेंट द्वारा तैयार किया गया था। यह किंग जेम्स बाइबल से स्क्रिप्चरल कोटेशन से बना है और मैरीक बकरी एड्डी ने क्रिश्चियन साइंस पाठ्यपुस्तक विज्ञान और स्वास्थ्य से कुंजी के साथ शास्त्र के लिए सहसंबद्ध मार्ग लिया है।